दिनांक 24/4/2023 को इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, नूनमाटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित सक्षम-2023 के उद्घाटन के अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया जी का अभिभाषण

मेरे प्यारे भाइयों और बहनों,

सबसे पहले, सक्षम-2023 के उद्घाटन समारोह के इस पावन अवसर पर, आप सभी को हार्दिक अभिनन्दन एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

मित्रों,
संरक्षण क्षमता महोत्सव यानी "सक्षम" - एक महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रम है, जो पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (PCRA) एवं पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तेल उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है।

यह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की एक सराहनीय पहल है, जो देशभर में स्वच्छ ईंधनों को अपनाने पर फोकस करता है। इसका उद्देश्य उभोक्ताओं को स्वच्छ ईंधनों की तरफ प्रेरित करना है।

मित्रों,

हमारा देश चीन और अमेरिका के बाद दुनिया में ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, हमारी ऊर्जा खपत की एक तिहाई स्रोत पेट्रोलियम उत्पादों से प्राप्त होता है, जो तेजी से कम हो रहा है। जबकि हम अक्षय ऊर्जा स्रोतों पर अपनी निर्भरता बढ़ाने के उपायों की खोज को निरंतर ढूंढ रहे हैं और अपना रहे हैं, ऊर्जा के स्रोत के रूप में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग अभी भी बढ़ रही है। खपत पैटर्न की तुलना में भारत में कच्चे तेल के उत्पादन स्तर में भारी कमी है। 2022-23 के आंकड़ों के अनुसार, देश में लगभग 214 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MMTPA) पेट्रोलियम उत्पादों की खपत होती है और हमारी शोधन क्षमता 249 MMTPA से थोड़ी ही अधिक है। हालांकि, ये आंकड़े इस तथ्य से काफी हद तक ऑफसेट हैं कि हमारे कच्चे तेल का उत्पादन पिछले वर्ष के लिए केवल 31 MMTPA रहने का अनुमान था। इस प्रकार, हम देश की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए कुल कच्चे तेल का लगभग 82% तक के कच्चे तेल की आयात पर निर्भर है। जबकि असम राज्य के लिए, हालांकि हमारे पास चार रिफाइनरियों के साथ पर्याप्त रिफाइनिंग क्षमता है, जिसे आगे बढ़ाया जाएगा, बोंगाईगांव रिफाइनरी के लिए कच्चा तेल आयात के माध्यम से प्राप्त किया गया है।

हमारे देश का आयात अधिक है और हमेशा वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों, रुपये के मूल्यह्रास के साथ-साथ घरेलू खपत में वृद्धि पर निर्भर करता है। हालांकि, पर्याप्त रिफाइनिंग उत्पादन ने तैयार पेट्रोलियम उत्पादों पर आयात

की निर्भरता को कम कर दिया है और देश कुछ हद तक विदेशी मुद्रा घाटे को नियंत्रित करने के लिए तैयार उत्पादों का निर्यात करने में सक्षम रहा है।

हमारे लिए यह अनिवार्य हो गया है कि हम आयातित ऊर्जा पर अपनी निर्भरता को कम करने के तरीके और साधन ईजाद करें। इस दिशा में, भारत सरकार ने देश के भीतर और बाहर दोनों जगहों पर स्वामित्व वाले तेल और गैस की उपलब्धता में काफी वृद्धि करने के लिए विभिन्न योजनाओं और रणनीतियों को तैयार किया है। जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करने के लिए जैव ईंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उपरोक्त पहलों के साथ-साथ, जो पर्याप्त लाभ दे रहे हैं, पूरे देश को वर्तमान की तुलना में अधिक ऊर्जा कुशल बनाने के लिए ऊर्जा संरक्षण प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता है।

वर्ष 1978 से देश में ऊर्जा संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से जुड़े रहने के लिए मैं पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (PCRA) की सराहना करता हूं। पिछले 30 वर्षों में, PCRA और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने ऊर्जा संरक्षण का एहसास करने के लिए काफी हद तक परिवहन, उद्योग, कृषि और घरेलू जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की मदद की है।

असम में इस जागरूकता अभियान "सक्षम-2023" का उद्घाटन करने के लिए आप सभी के बीच आकर मुझे बहुत खुशी है। आज से पूरे देश सहित असम में भी जनता के बीच विभिन्न प्रकार से संरक्षण जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं और मैं सभी संबंधित लोगों से अपील करता हूं कि वे इस महान

कार्य में सक्रिय रूप से भाग लें और विभिन्न छोटी-छोटी आदतों को शामिल करके इस जागरूकता अभियान को सार्थक बनाएं।

आप सभी को संरक्षण क्षमता महोत्सव की एक बार पुनः बहुत-बहुत बधाई।

धन्यवाद,
जय हिन्द।